UP की चीनी मिलों को करना होगा सब्सिडी के लिए इंतजार—

मिलों को डोमेस्टिक वाइट शुगर के दाम में रिकवरी तक इंतजार करना होगा। आने वाले लोकसभा चुनावों से इनका इंतजार लंबा खिंच सकता है

[जयश्री भोंसले | पुणे]

वेस्टर्न इंडिया की शुगर मिल्स को केंद्र सरकार के रॉ शुगर प्रॉडक्शन के लिए सब्सिडी दिए जाने का तत्काल फायदा होगा, दूसरी ओर नॉर्थ इंडिया की मिलों को इस सब्सिडी का फायदा उठाने के लिए इंतजार करना पड़ेगा। इनको डोमेस्टिक वाइट शुगर के दाम में रिकवरी तक इंतजार करना होगा। आने वाले लोकसभा चुनावों से इनका इंतजार और लंबा खिंच सकता है, क्योंकि इंडस्ट्री को चुनावों से पहले चीनी के दाम में किसी तरह के इजाफे की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है।

ज्यादातर रॉ शुगर एक्सपोर्ट्स महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात से हो रहा है। एक तो एक्सपोर्ट की जगहों से मिलें नजदीक हैं, साथ ही नॉर्थ के मुकाबले वेस्टर्न इंडिया में शुगर केन से शुगर की रिकवरी भी ज्यादा है। इससे इन मिलों की कॉस्ट ऑफ प्रॉडक्शन कम हो जाती है, जिससे ये नॉर्थ के मुकाबले मजबूत हालत में हैं।

लंदन हेडक्वॉर्टर वाली ट्रेडिंग कंपनी ईडी एंड एफ मैन के मैनेजिंग डायरेक्टर राहिल शेख के मुताबिक, 'इंडिया अब तक करीब 4.5 लाख टन रॉ शुगर का एक्सपोर्ट कर चुका है। रॉ शुगर का लास्ट ट्रेडेड प्राइस 395 डॉलर प्रति टन था। एक्सपोर्ट मुख्यतौर पर महाराष्ट्र, कर्नाटक से हो रहा है।' कैबिनेट कमेटी ऑन इकनॉमिक अफेयर्स (सीसीईए) ने पिछले हफ्ते रॉ शुगर के लिए 3,333 रुपये प्रति क्विंटल की सब्सिडी को मंजूरी दी थी। सूत्रों के मुताबिक, सब्सिडी 62.44 रुपये के एक्सचेंज रेट के आधार पर तय की गई है। हर दो महीने में इसकी समीक्षा एक्सचेंज रेट के आधार पर की जाएगी, क्योंकि सितंबर 2015 में खत्म होने वाले दो साल तक 40 लाख टन रॉ शुगर के प्रॉडक्शन के लिए दी जाएगी। उत्तर प्रदेश देश का दूसरा सबसे बड़ा शुगर प्रॉड्यूसर है। राज्य को रॉ शुगर पर परोक्ष रूप से सब्सिडी का फायदा होगा। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के डायरेक्टर जनरल अबिनाश वर्मा के मुताबिक, 'देश के पश्चिमी हिस्सों की मिलें नॉर्थ, ईस्ट और साउथ में भी शुगर बेच रही थीं। सब्सिडी से नॉर्थ की मिलों को चीनी को डोमेस्टिक मार्केट में बेचने में मदद मिलेगी।'

देश के पश्चिमी हिस्सों की शुगर मिलें नॉर्थ, ईस्ट और साउथ में भी शुगर बेच रही थीं। सब्सिडी से नॉर्थ की शुगर मिलों को चीनी को डोमेस्टिक मार्केट में बेचने में मदद मिलेगी

अबिनाश वर्मा, डायरेक्टर जनरल
इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन

इंडस्ट्री सूत्रों का कहना है कि महाराष्ट्र में मिलें अपने कैश फ्लो को बनाए रखने के लिए पूरे देश में शुगर की हड़बड़ी में बिक्री कर रहे हैं। थोंबरे के मुताबिक, 'राज्य में मिलें 23.50 रुपये प्रति किलो तक की कीमत पर शुगर बेच चुकी हैं।' हालांकि, उत्तर प्रदेश की मिलों को रॉ शुगर सब्सिडी का इनडायरेक्ट फायदा उठाने के लिए थोड़ा लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। इलेक्शन करीब होने से इंडस्ट्री को लग रहा है कि डोमेस्टिक शुगर के दाम चुनावों के बाद ही बढ़ पाएंगे।

The Economic Times (Hindi)

21/2/14